सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 206 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 2 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

बीस साल की उम्र में इंसान अपनी इच्छा से चलता है, तीस में बुद्धि से और चालीस में अपने अनुमान से।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

मुसलमानों पर लगातार हो रहे हमलों को... 7
नए रंग में दिखेगा जम्मू-कश्मीर... 3
राजग सरकारें समाज के वंचित... 2

आप विधायक अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार, मची सियासी तकरार

आप नेता बोले- केंद्र सरकार खुलेआम कर रही गुंडागर्दी

» विपक्ष ने भाजपा पर किया जोरदार हमला
» आप से डर गई है एनडीए सरकार
» सुबह-सुबह ईडी ने आवास पर मारा था छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है इस गिरफ्तारी के बाद से सियासी संग्राम भी शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी -आप ने भाजपा की एनडीए सरकार पर गुंडागर्दी और तानाशाही का आरोप लगाया है।

वहीं विपक्ष के अन्य दलों ने भी इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे मोदी सरकार की मनमानी बताया है। इससे पहले आपे नेता के घर पर सोमवार सुबह ईडी की टीम पहुंची थी। विधायक ने खुद एक्स पर पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी। जानकारी मिली है कि ईडी की टीम घंटों तलाशी के बाद अमानतुल्लाह को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी अभियान के बाद ईडी विधायक को अपने साथ लेकर गई। है। वहीं आप पार्टी का दावा है कि अमानतुल्लाह को हिरासत में लिया गया है।

ईडी का मकसद मुझे व पार्टी को तोड़ना : अमानतुल्लाह

गिरफ्तारी से पहले आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने कहा कि ईडी के लोग मेरे आवास पर सर्च वॉरेंट के नाम पर मुझे अरेस्ट करने आए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ही नहीं मेरी पूरी पार्टी को तंग किया जा रहा है। उनका मकसद है केवल मुझे और मेरी पार्टी को तोड़ना है। आगे कहा कि मैं वादा करता हूं कि जो भी मेरे काम अधूरे हैं वो मेरी टीम, मेरी सरकार करवाएगी। मुझे पूरा यकीन है कि पहले जैसे हमें कोर्ट से इंसाफ मिला है वैसे ही फिर हमें इंसाफ मिलेगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि 2016 से यह मुकदमा चल रहा है। जिसमें सीबीआई ने खुद कहा है कि किसी भी किस्म का कोई भी भ्रष्टाचार या लेन-देन नहीं हुआ है। मैं आप लोगों को यकीन दिलाता हूं कि मैंने ऐसा कुछ नहीं किया कि जिससे मैं शर्मिंदा रहूं।

जांच हो रही है या कॉमेडी : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जांच हो रही है या कॉमेडी। सीबीआई ने 2016 में वक्फबोर्ड के मामले में पर्चा दर्ज किया। अमानतुल्लाह को गिरफ्तार नहीं किया। छह साल के बाद फाइनल चार्जशीट दाखिल की गई। जिसमें कहा कि कोई आर्थिक अपराध नहीं हुआ। इसी मामले में 2020 में एसीबी और ईडी ने पर्चा दर्ज किया। एसीबी ने अमानतुल्लाह को गिरफ्तार किया उनको जमानत मिली। उसमें भी कोर्ट ने कहा कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। इसके बाद ईडी फिर भी नहीं मानी 2023 में आप विधायक के

घर छापेमारी की। लेकिन यहां कुछ नहीं मिला। 2024 में 13 घंटे पूछताछ की फिर पूछताछ के लिए बुलाया तो विधायक ने सूचना दी कि मदर इन लॉ को कैंसर है। उनका ऑपरेशन हुआ है। मुझे कुछ समय दीजिए। लेकिन तानाशाह सरकार की निर्दयी ईडी छापेमारी के लिए पहुंच गई।

वक्फ बोर्ड नियुक्ति मामले में हुई कार्रवाई

बीते अप्रैल माह में प्रवर्तन निदेशालय ने वक्फ बोर्ड नियुक्ति मामले से जुड़े घोटाले के आरोप में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान से 13 घंटे पूछताछ की थी। अमानतुल्लाह पर दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहते 32 लोगों की अवैध रूप से नियुक्ति का आरोप है। वक्फ बोर्ड की संपत्तियां अवैध रूप से किराये पर देने का भी आरोप है। उनके कुछ करीबियों के ठिकानों पर एजेंसी ने छापे भी मारे थे। इससे पहले दिल्ली राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अमानतुल्ला खान को उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर दर्ज मामले में जमानत दी थी। अभी आप विधायक जमानत पर हैं। अदालत ने उन्हें 15,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि पर जमानत दे दी थी।

राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के खिलाफ एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही सरकार : सौरभ भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने कहा, केंद्र सरकार खुलेआम गुंडागर्दी कर रही है। एक सड़ा हुआ मामला वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़ा था, उस मामले में बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष और हमारे विधायक अमानतुल्लाह खान को आरोपी बनाया गया था। सबसे पहले 2016 में हंगामा मचा कि एसीबी जांच कर रही है। भारद्वाज ने कहा, एसीबी ने उनसे पूछताछ की और गिरफ्तार भी कर लिया और फिर कोर्ट में एसीबी के उसी मामले की धज्जियां उड़ गईं, जब कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी और कहा कि आपके मामले में ऐसा कोई आरोप नहीं है कि पैसे के लेन-देन के आधार पर किसी को नौकरी दी गई हो, अब इसी मामले में तीसरी एजेंसी आ गई है, ईडी ने छापेमारी कर पूछताछ की है, आपको याद होगा कि रात साढ़े 11 बजे तक पूछताछ चल रही थी, केंद्र सरकार अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के खिलाफ एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

ईडी ने कांग्रेस नेता हरक सिंह को पाखरो रेंज घोटाला मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

देहरादून। पाखरो रेंज घोटाले के मामले में पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत आज ईडी ऑफिस पहुंचे। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पाखरो रेंज घोटाले के मामले में वर्ष 2022 में विजिलेंस के हल्द्वानी सेक्टर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में तत्कालीन कुछ अधिकारियों (जिनमें पूर्व डीएफओ किशनचंद भी शामिल थे) को गिरफ्तार भी किया गया था। विजिलेंस ने पिछले साल अगस्त में विजिलेंस ने हरक सिंह रावत और उनके परिचितों के संस्थानों पर छापे मारे थे। बताया गया था कि यहां एक पेट्रोल पंप पर सरकारी जनरेटर बरामद हुआ था। हालांकि, जांच अभी और आगे बढ़ती इससे पहले ही हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई को जांच सौंप दी गई। विजिलेंस ने इस केस से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिए थे। इसी बीच ईडी ने भी इसका संज्ञान ले लिया। गत फरवरी 2024 में ईडी ने भी हरक सिंह रावत के घर और इससे जुड़े कुछ अधिकारियों के घरों पर छापे मारे थे। हरक सिंह के यहां से कुछ भी बरामद होने की सूचना नहीं थी।

बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, लगाई फटकार

» शीर्ष अदालत बोली- आरोपी का घर नहीं गिरा सकती सरकार
» कोर्ट ने कहा- दिशानिर्देश बनाएंगे, सभी राज्यों को मानना होगा
» अगली सुनवाई अब 17 सितंबर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में अपराधियों के खिलाफ हो रही बुलडोजर कार्रवाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि किसी का घर सिर्फ इसलिए कैसे ध्वस्त किया जा सकता है, क्योंकि वह आरोपी है। याचिका में बिना नोटिस घरों के गिराने का आरोप लगाया गया है। शीर्ष अदालत में सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि म्युनिसिपल नियमों के मुताबिक नोटिस देकर ही अवैध निर्माण को ढहाया जा सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में दिशानिर्देश बनाएंगे। इसका सभी राज्य पालन करें। देश भर में चल रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट अगली सुनवाई अब 17 सितंबर को करेगा।

यूएपीए के आरोपी को 'सुप्रीम' जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के साथ कथित संबंधों को लेकर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दी, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वह 6 मई, 2020 से हिरासत में है, और मुकदमे का जल्द खत्म होना संभव नहीं है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने यह भी नोट किया कि 14 सह-आरोपियों में से 12 को जमानत दे दी गई है। कोर्ट मुकेश सलाम नामक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रहा था, जिस पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 10, 13, 17, 38(1)(2), 40, 22-ए और 22-सी के तहत अपराध का आरोप लगाया गया है, छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम, 2005 की धारा 8(2)(3)(5) तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 201 और 149/34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा जमानत देने से इनकार करने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि मुकेश सलाम नक्सली कमांडर राजू सलाम का मामा था तथा राजू सलाम के साथ सीधे तथा निरंतर संपर्क में था तथा उसे सामग्री उपलब्ध कराता था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा उद्धृत 100 गवाहों में से अब तक केवल 40 गवाहों की ही जांच की गई है।

राजग सरकारें समाज के वंचित वर्ग के खिलाफ : तेजस्वी

» एनडीए सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे

» जाति जनगणना और आरक्षण नहीं चाहती बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र और बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार जाति जनगणना और आरक्षण के खिलाफ हैं। यादव ने कहा कि इस तरह की गणना एक्स-रे की तरह है, जो विभिन्न जाति समूहों की आबादी और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाती है। उन्होंने पटना में राजद कार्यालय में एक धरने का नेतृत्व करते हुए कार्यकर्ताओं से यह बात कही। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने जनता दल (यूनाइटेड) से बिहार में वंचित जातियों के लिए बढ़ाए गए आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग पर उसका रुख जानना चाहा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने कहा, बिहार में महागठबंधन प्रशासन ने पिछले साल केंद्र से राज्य सरकार की नौकरियों एवं शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के फैसले को नौवीं अनुसूची में शामिल करने का आग्रह किया था। लेकिन, उन्होंने ऐसा नहीं किया। केंद्र और राज्य की राजग सरकारें समाज के वंचित वर्ग के लिए आरक्षण और जाति जनगणना के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि जाति जनगणना एक एक्स-रे की तरह है, जो देश के विभिन्न जाति समूहों की जनसंख्या और गरीब तबके की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता लगाएगी। राजद ने पूरे राज्य में धरने आयोजित किए और बढ़े हुए आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने तथा देशव्यापी जाति जनगणना लागू करने की मांग की। संविधान की नौवीं अनुसूची केन्द्रीय और राज्य कानूनों की सूची है जिन्हें अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती। यादव ने पूछा, मैं जद(यू) नेताओं से बस एक सवाल पूछता हूं, उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि वे इसे नौवीं अनुसूची में डालने के पक्ष में हैं या नहीं। अगर हां, तो राजग का हिस्सा होने के बावजूद वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? और अगर नहीं, तो उन्हें यह बात जरूर कहनी चाहिए।

प्रशांत किशोर बिहार चुनाव में मुस्लिमों को देंगे उचित प्रतिनिधित्व

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि उनका संगठन बिहार मे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव मे पर्याप्त संख्या मे मुस्लिम समुदाय के लोगो को उम्मीदवार बनाएगा। किशोर ने हालांकि, इस आरोप को खारिज कर दिया कि वह अल्पसंख्यक समुदाय के वोटो को विभाजित करने और राज्य मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्य प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे है। किशोर ने यहां कहा, हम 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव मे कम से कम मुस्लिम समुदाय के 40 लोगो को टिकट देगे। समुदाय को संगठन मे भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

सरकार ने सकारात्मक कदम उठाए : जदयू प्रवक्ता

यादव की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जदयू प्रवक्ता संजय कुमार झा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि राज्य मे जाति सर्वेक्षण हो। उन्होने कहा, उन्होने इस संबंध मे सभी सकारात्मक कदम उठाए। बिहार मे विपक्षी नेता वही लोग है जिन्होने सत्ता मे रहने के दौरान पंचायतो मे आरक्षण तक नही दिया।

यादव ने सीएम की चुप्पी पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर चुप्पी क्यो साधे हुए है? उन्हे क्या हो गया है? उन्होने कहा, भाजपा चाहती है कि कूड़ा बीनने वाले का बेटा नालियां साफ करे। सभी दिग्गज समाजवादी नेता समय-समय पर जाति जनगणना की बात करते रहे। हमारे महान नेताओ ने हमेशा आरक्षण की बात की और उन वर्गो के बारे मे बात की जो समाज के सबसे निचले पायदान पर है, चाहे वे दलित हो, आदिवासी हो या सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े लोग हो। यादव ने भाजपा और उसके सहयोगियो पर यह भी आरोप लगाया कि जब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नही दिया गया तो वे जश्न मना रहे थे। उन्होने आरोप लगाया, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा न मिलने पर जद(यू) के नेता खुश थे। बिहार के समग्र विकास मे उनकी कोई दिलचस्पी नही है।

मिशनरी सोच न रखने वाले बसपा छोड़ दें : मायावती

» बसपा प्रमुख ने नेताओं को दी सख्त चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी लाइन से इतर सोच रखने वाले कुछ नेताओं को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि बसपा में रहकर जो लोग एससी-एसटी आरक्षण के उप वर्गीकरण व क्रीमी लेयर के कांग्रेस की तरह पक्षधर हैं और डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मिशनरी सोच नहीं रखते हैं, तो उनका पार्टी में कोई स्थान नहीं है। एक के स्वार्थ में बाकी पूरे बहुजन समाज के हित की उपेक्षा करना ठीक नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि ऐसी मानसिकता के लोग यदि पार्टी को छोड़कर खुद ही चले जाते हैं या उन्हें अलग कर दिया जाता है तो यह बसपा व मूवमेन्ट के हित में होगा। वैसे भी इसकी आड़ में अब कांग्रेस के इण्डिया गठबन्धन की फूट डालो, राज करो की रणनीति नहीं चलेगी। लिहाजा लोग सजग रहें। उन्होंने कहा कि आरक्षण का यह मुद्दा इन वर्गो को बांटने वाला भी है।

बसपा जाति के आधार पर सदियों से तोड़े व सताए गए इन लोगों को जोड़कर बहुजन समाज बनाने का मानवतावादी मूवमेन्ट है, जिससे कोई समझौता संभव नहीं है। पार्टी इस मुद्दे को लेकर अति-गंभीर है। इसको लेकर कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु की सरकारों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले से ही जो वहां एससी व एसटी को बांटने की राजनीति की जा रही है वह ठीक नहीं। खासकर कांग्रेसी सरकारों का रवैया इस मामले में निन्दनीय है।

हम केंद्र से मांग रहे अपने अधिकार : सीएम सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हम केवल केंद्र से अपने अधिकार मांग रहे हैं। जब सुधार किए जाते हैं तो थोड़े समय के लिए रुकावट आती है इसका अर्थ ये नहीं है कि प्रदेश में आर्थिक संकट है। हम व्यवस्थित ढंग से वित्तीय व्यवस्था को ठीक कर रहे हैं। वित्तीय विवेकशीलता की तरफ आगे बढ़कर कुछ और सुधार करना चाहते हैं।

» बोले- प्रदेश में वित्तीय संकट नहीं

सुक्खू ने कहा कि मंत्रियों, मुख्य संसदीय सचिवों के वेतन को रोकने से हमारा मतलब जागरुक करने से है। जो साधन संपन्न लोग बिजली का बिल भर सकते हैं उन्हें मुफ्त बिजली क्यों दी जाए। जो पानी का बिल भर सकता है उसे क्यों मुफ्त पानी दिया जाए। भाजपा सरकार ने जून 2022 में सभी का पानी बिल माफ कर दिया, लेकिन आप फाइव स्टार होटलों को मुफ्त पानी और सब्सिडी में बिजली दे रहे हैं जो उचित नहीं है। सुक्खू ने कहा कि सब्सिडी छोड़ने के लिए मुझे कम से कम हजार लोगों के फोन आए हैं। जब 75 साल से ज्यादा उम्र के 28 हजार परिवारों को एरियर दे दिया तो और परिवारों को भी मिलेगा। रविवार को सुक्खू ने कहा – हमने जो वायदे किए हैं, उन्हें भी पूरा कर रहे हैं।

विस उपचुनाव के लिए सपा ने कसी कमर

» वोटरलिस्ट पर भी फोकस कर रही है पार्टी

» बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से भी लिया जायेगा फीडबैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा उपचुनाव से पहले सपा पूरी चाकचौबंद व्यवस्था में लगी हुई है। इसी के मद्देनजर पार्टी वोटर लिस्ट पर फोकस कर रही है। इसके लिए बूथ स्तर पर जाकर मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। जो भी खामियां मिलेंगी, उन्हें बिना देरी किए चुनाव आयोग तक पहुंचाने का फैसला भी किया गया है, ताकि, खामियों को दुरुस्त करवाया जा सके।

यूपी में अगले माह विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर उपचुनाव होने की संभावना है। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि, नौ विधायकों के लोकसभा सदस्य चुने जाने से उनकी सीटें रिक्त हुई हैं।

ये नौ सीटें हैं-करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, मझवा, मीरापुर, खैर, गाजियाबाद और फूलपुर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कई बार आशंका जता चुके हैं कि सत्ताधारी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ कर सकती है। सपा के समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा सकते हैं। इसलिए सपा नेतृत्व ने अपनी सभी जिला व शहर इकाइयों को भेजे निर्देशों में कहा है कि हर बूथ की मतदाता सूची पर विशेष नजर रखी जाए। अगर कहीं समर्थक मतदाताओं के नाम कटे मिलते हैं या किसी क्षेत्र विशेष में फर्जी मतदाता बनाने की शिकायत मिलती है तो उससे तत्काल प्रदेश सपा मुख्यालय को अवगत कराया जाए। इसके लिए प्रदेश सपा कार्यालय पर तीन पदाधिकारियों की टीम बनाई गई है। जो ऐसे मामलों को लेकर निर्वाचन आयोग से शिकायत करेगी। हाल ही में जाति विशेष के बीएलओ हटाए जाने की शिकायत लेकर सपा का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत निर्वाचन आयोग से मिला भी था। कार्यकर्ताओं से मिल रही गड़बड़ी संबंधी जानकारियों को हर प्लेटफॉर्म पर उठाने का निर्णय भी लिया गया है।

पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहा था : केसी त्यागी

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने इस्तीफा देने के बाद दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से राष्ट्रीय महासचिव किशन चंद त्यागी (केसी त्यागी) ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 1984 से इस तरह की भूमिका में रहा। वह कर्पूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि का जमाना था। तब इस भूमिका को निभा रहा हूं। अब हर समय बात करने की उम्र नहीं रही, इसलिए राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी छोड़ दी है।

वहीं केसी त्यागी ने पत्र के माध्यम से सीएम नीतीश कुमार को लिखा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे (पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के) पद से मुक्त करें क्योंकि मैं इस पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहा हूं। अन्य कार्यों में मेरी भागीदारी रहेगी। इधर, जनता दल यूनाईटेड के महासचिव आफाक अहमद खान ने चिट्ठी जारी कर यह जानकारी दी। कहा कि केसी त्यागी ने प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया गया है। उन्होंने पद छोड़ने का कारण निजी बताया है। उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक काम कर चुके किशनचंद त्यागी को जनता दल यूनाईटेड की 22 मई 2023 एक बार फिर इज्जत के साथ पद पर वापसी हुई थी।

नए रंग में दिखेगा जम्मू-कश्मीर का चुनावी दंगल

फारुख अब्दुल्ला, गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती ने चुनाव न लड़ने का किया फैसला

» तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बिना होगा चुनाव

» भाजपा-कांग्रेस समेत सभी दलों ने शुरू किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव में तीन पूर्व मुख्यमंत्री चुनावी मैदान से दूर हैं। ऐसे पहली बार है कि तीन बड़े नेता विधानसभा चुनाव का हिस्सा नहीं हैं। महबूबा मुफ्ती के चुनाव न लड़ने से कोई बड़ा महिला चेहरा भी मैदान में नहीं है। तीन बार के मुख्यमंत्री डॉ. फारुख अब्दुल्ला के साथ गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। जम्मू-कश्मीर के तीन बार के मुख्यमंत्री लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ने का फैसला ले चुके हैं।

नेकां-कांग्रेस गठबंधन को अमली जामा पहनाने में डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने सक्रिय भूमिका निभाई, लेकिन खुद चुनाव लड़ने से दूरी बनाई। वहीं दक्षिण कश्मीर की अनंतनाग सीट से विधायक रहीं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर में तीन चरण में मतदान होगा। 18 सितंबर को पहले चरण का मतदान होगा। 25 सितंबर को दूसरा फेज की वोटिंग होगी। एक अक्तूबर को तीसरा चरण का मतदान होगा। जबकि चार अक्तूबर को मतगणना होगी। जम्मू -कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच मैराथन बैठक के बाद 83 सीटों पर सहमति बनी। इसमें 51 सीटों पर नेकां और 32 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। पांच सीटों पर सहमति नहीं बनने के कारण यहां दोस्ताना मुकाबला होगा। जबकि एक सीट माकपा और एक सीट पैंथर्स पार्टी को दी गई है।

केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव नहीं लड़ूंगी : महबूबा

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। अगर वह मुख्यमंत्री बन भी गईं तो केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी के एजेंडे को पूरा नहीं कर पाएंगी। 2016 में मुख्यमंत्री रहते मैंने 12000 लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी थीं। अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने को पत्र लिखा था। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? यदि आज मुख्यमंत्री के रूप में एक एफआईआर वापस नहीं ले सकते, तो ऐसे पद से कोई क्या करेगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा, नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बने रहने तक चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी, लेकिन अब उनका मन बदल गया है। उमर ने खुद कहा था कि एक चपरासी के तबादले के लिए उन्हें उप राज्यपाल के दरवाजे पर जाना होगा।

स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की वजह से नहीं लड़ूगा चुनाव : गुलाम नबी

डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि वह विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। एक बयान में आजाद ने कहा, 25 अगस्त की रात को श्रीनगर में उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। अगली सुबह मैंने जल्द से जल्द दिल्ली के लिए फ्लाइट ली और एम्स अस्पताल में भर्ती हो गया। यहां मैं दो दिन तक भर्ती रहा, जबकि डॉक्टरों ने उन्हें आश्वासन दिया कि अभी कोई खतरा नहीं है। आजाद ने कहा कि वह अन्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से जूझ रहे हैं, जिनके लिए दवा और आराम दोनों की आवश्यकता है। इन अप्रत्याशित परिस्थितियों ने मुझे अभियान से पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया है। आजाद ने आगे कहा, उन्हें इस महत्वपूर्ण समय में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन नहीं कर पाने का अफसोस है।% उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल करने वाले अपने सहयोगियों से यह आकलन करने का भी आग्रह किया कि क्या वे उनकी उपस्थिति के बिना नामांकन जारी रख सकते हैं।

जमात-ए-इस्लामी के पक्ष में मबबूबा मुफ्ती

पीपुल्स डेमोक्रेटक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह नेशनल कॉन्फ्रेंस ही थी जिसने जमात-ए-इस्लामी के लिए चुनाव को हराम बना दिया था। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए, महबूबा ने कहा कि 1987 में, जब जमात-ए-इस्लामी और अन्य समूहों ने चुनाव में भाग लेने की कोशिश की, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इसका विरोध किया क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि कोई तीसरी ताकत उभरे। उन्होंने कहा कि पहले उनके लिए चुनाव हराम था, अब हलाल हो गया है। लेकिन पूरी तरह से, यह उनका फैसला है। पूर्व सीएम ने कहा कि अगर जमात-ए-इस्लामी चुनाव लड़ना चाहती है तो यह अच्छी बात है। सरकार को प्रतिबंध हटाना चाहिए, उनकी सभी संस्थाएं, संपत्तियां जो आपने फीज की हैं, जब्त की हैं, उन्हें डी-फोजन किया जाना चाहिए, उन्हें वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब उन्हें सत्ता मिलती है तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए चुनाव हलाल हो जाता है और जब सत्ता चली जाती है तो चुनाव उनके लिए हराम हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनावों के साथ ५हलाल और हराम५ की इस प्रणाली की शुरुआत की। महबूबा ने कहा कि 1947 में, जब स्वर्गीय शेख अब्दुल्ला पहली बार जम्मू-कश्मीर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बने और बाद में भारत में शामिल हो गए, तब चुनाव हलाल थे। जब वे मुख्यमंत्री बने तो चुनाव हलाल थे। लेकिन जब उन्हें पद से हटा दिया गया, तो 22 साल के लिए चुनाव हराम हो गये। महबूबा ने यह भी कहा कि उन 22 सालों के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस ने लगातार चुनाव प्रक्रिया का विरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि 1975 में, जब शेख अब्दुल्ला सत्ता में लौटे, तो चुनाव अचानक फिर से हलाल हो गए। महबूबा ने कहा कि चुनावों को हलाल या हराम बताने की यह व्यवस्था जारी है, जिससे जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, यह देखकर दुख होता है कि आज भी इस कथा का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध हटाने और उनकी जब्त की गई संपत्ति वापस करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, अगर जमात-ए-इस्लामी चुनाव लड़ना चाहती है, तो यह लोकतांत्रिक विचारों की लड़ाई है और इसमें किसी को भी भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। उनके संस्थानों और संपत्तियों को डी-फ्रीज करके वापस किया जाना चाहिए।

हुकूमत आई तो हटा देंगे पीएसए कानून : उमर अब्दुल्ला

आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम यह लड़ाई जम्मू-कश्मीर रियासत के साथ मिलकर लड़ रहे हैं और इसलिए हमने पिछले दिनों कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। हालांकि ये गठबंधन हमारे लिए आसान नहीं था। हमने बहुत मुश्किल समय देखा है। बिना किसी वजह नौजवानों को सताया गया, तंग किया गया और अंधाधुंध पीएसए का इस्तेमाल हुआ। हमने अपने हलफनामें में वादा किया है कि अगर हमारी हुकूमत आई तो हम जम्मू-कश्मीर से पीएसए का कानून हटा देंगे। सख्ती और जुल्म के अलावा पिछले 5-6 सालों में हमने कुछ नहीं देखा। इस कानून के अनुसार, सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी व्यक्ति को दो साल तक बिना मुकदमा गिरफ्तार किया जा सकता है या फिर उसकी नजरबंदी की जा सकती है। कश्मीर के नेताओं के लिए सिरदर्द बन रहा यह कानून फारूक अब्दुल्ला के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला ने बनाया था। इस कानून को लकड़ी के तस्करों से निपटने के लिए लागू किया गया था। जन सुरक्षा कानून 1970 के दशक में जम्मू-कश्मीर में लकड़ी की तस्करी एक बड़ी समस्या बनती जा रही थी। कड़ा कानून नहीं होने की वजह से अपराधी आसानी से छूट जाते थे। इसके समाधान के लिए शेख अब्दुल्ला इस कानून को लेकर आए। कश्मीर में 1990 के दौरान उग्रवाद चरम पर पहुंच गया था। इसे रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए यह कानून एक अहम हथियार बना। इसी दौरान तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद ने प्रदेश में विवादास्पद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम को लागू किया। इसके बाद पीएसए के तहत कई लोगों को पकड़ने का भी काम किया गया। हालिया समय में इस कानून का इस्तेमाल आतंकियों, अलगाववादियों और पत्थरबाजों के खिलाफ किया जाता रहा है। 2016 में आतंकी बुरहान वानी की हत्या के बाद कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान पीएसए के तहत 550 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था।

'ये चुनाव भाजपा के खिलाफ'

उमर अब्दुल्ला बिजबेहरा सीट के लिए अपने उम्मीदवार बशीर अहमद वीरी के साथ जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमने अपना मैनिफेस्टो लोग के सामने रखा है। उन्होंने कहा ये चुनाव भाजपा के खिलाफ है। कांग्रेस के साथ एक सीट शेयरिंग एग्रीमेंट तय किया। कोशिश ये रही कि भाजपा और उनके समर्थक दलों के खिलाफ मिलकर एक ही मोर्चा खड़ा करें और उनके खिलाफ चुनाव लड़ें ताकि कामयाबी की संभावना और ज्यादा बढ़ जाए। इसमें मुझे इस बात का एहसास है कि कई सारे हमारे ऐसे साथी हैं जिन्होंने पांच दस साल बहुत ज्यादा मेहनत की। और वो तमन्ना रखते थे नेकां की टिकट पर चुनाव लड़ना।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पर्यावरण असंतुलन जानवरों को बना रहा हिंसक!

यूपी में इस समय बहराईच व तराई क्षेत्रों में भेड़ियों का आतंक फैला हुआ है। वह वहां के आस-पास के गांवों से छोटे बच्चों व पालतू जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इस तरह से आबादी के बीच में जंगली जानवरों का आना कोई पहली बार नहीं हो रहा है ऐसा पहले भी हो चुका है। वन विभाग इन समस्याओं से निपटने की कोशिश करता रहता है। पर सबसे बड़ा सवाल ये कि ऐसे क्या कारण है कि ये जंगली जानवर रिहाईशी इलाकों में आ रहे हैं। पर्यावरणविदों की माने तो इसका सबसे बड़ा कारण पर्यावासीय संतुलन का बिगड़ना है। अर्थात मनुष्य जंगलों में प्राकृतिक पर्यावास क्षेत्रों पर कब्जा करता जा रहा है जिसकी वजह से शेर, चीते, बाघ, हाथी से लेकर भेड़ियों को जहां रहने के स्थान नहीं मिल रहे साथ ही उसे भोजन के लिए भटकना पड़ रहा जिसकी वजह से वह आदम खोर हो रहे हैं। सरकारों को इस पर गंभीर होना पड़ेगा नहीं तो मानव जाति को भयानक खतरे से जूझना पड़ेगा।

अभी एक खबर स्तब्ध करने वाली आई है कि इस साल के शुरुआती चार महीनों में, भारत में 47 बाघों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई हैं। 1 जनवरी से 12 अप्रैल तक, मध्य प्रदेश में 17 और महाराष्ट्र में 11 बाघों की मौत दर्ज की गई। यानी पूरे भारत में हुई बाघों की मौत में से आधे से ज्यादा मौतें इन्हीं दो राज्यों में हुई हैं। देश में बाघों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट पेश की है, जिसमें बताया गया है कि पिछले साल अलग-अलग कारणों से 181 बाघों की मौत के बाद, इस साल अब तक 47 और बाघों की मौत हो चुकी है। बाघों के मरने की संख्या में उत्तराखंड (21), तमिलनाडु (15), केरल (14), कर्नाटक (12) और असम (10) का नंबर इन दो राज्यों के बाद आता है। साल 2023 में मरने वाले 181 बाघों में से सिर्फ 44 की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी। वहीं, नौ बाघों को शिकारियों ने मार डाला। एनटीसीए ने बताया कि 115 बाघों की मौत के कारणों की जांच अभी भी की जा रही है। सात बाघों की मौत अप्राकृतिक कारणों से हुई,जबकि छह की मौत दौरे पड़ने से हुई। जाहिर सी बात है कुल मिलाकर मनुष्यों की वजह से ही इन जानवरों को जान से हाथ धोना पड़ रहा है। हालांकि अभी मौत के कारणों की जांच की जा रही है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने यह रिपोर्ट पेश करते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि एनटीसीए की सलाह पर राज्यों ने बाघों की आबादी को सुरक्षित रखने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। कदम उठाने की बाते सिर्फ कागज पर नहीं होना चाहिए वह हकीकत में दिखनी चाहिए तभी जानवर तो सुरक्षित रहेंगे हम भी संरक्षित रहेंगे।

“ पर्यावरणविदों की माने तो इसका सबसे बड़ा कारण पर्यावासीय संतुलन का बिगड़ना है। अर्थात मनुष्य जंगलों में प्राकृतिक पर्यावास क्षेत्रों पर कब्जा करता जा रहा है जिसकी वजह से शेर, चीते, बाघ, हाथी से लेकर भेड़ियों को जहां रहने के स्थान नहीं मिल रहे साथ ही उसे भोजन के लिए भटकना पड़ रहा जिसकी वजह से वह आदम खोर हो रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खतरे से निपटने को चाक-चौबंद हो स्वास्थ्य व्यवस्था

ज्ञानेन्द्र रावत

आज समूची दुनिया के लिए मंकीपॉक्स या एमपॉक्स चिंता का विषय बन गया है। मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली यह बीमारी बड़ी तादाद में लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह एक वायरल संक्रमण है। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस पॉक्स वायरस परिवार का सदस्य है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों को मंकीपॉक्स अपनी चपेट में ले सकता है। यह एक-दूसरे को छूने, नजदीक रहकर बात करने, यौन संबंधों और सांस लेने से भी फैल सकता है। इसके अलावा, यह बंदरों या अन्य जानवरों के साथ संपर्क से और दूषित मांस खाने से फैल सकता है। कभी-कभी पर्यावरण के जरिये यह बीमारी फैल सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में सिर में दर्द, बुखार, ग्रंथियों में सूजन और पूरे शरीर में दर्द शामिल हैं। इसके अलावा, 2 से 4 हफ्ते तक शरीर में चकत्ते, दाने, फफोले, घाव या छाले भी हो सकते हैं।

अभी तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, एमपॉक्स से पीड़ित 0.1 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद, यह कम खतरनाक नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में इस बीमारी की स्थिति को देखते हुए वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। गौरतलब है कि इससे पहले 2022 में भी डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। उस समय इस वायरस ने 100 से अधिक देशों में अपना कहर बरपाया था और 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। वर्तमान में, 21,300 से अधिक लोग इस बीमारी से पीड़ित हो चुके हैं और 590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस रोग का क्लेड 1बी वायरस सबसे अधिक खतरनाक माना जाता है। इस बीमारी ने अभी तक 13 अफ्रीकी देशों में अपने पैर पसारे हैं, जहां 21,000 से अधिक पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन अब इस बीमारी ने अफ्रीकी महाद्वीप से बाहर जाकर यूरोपीय देश स्वीडन में भी घुसपैठ कर ली है। स्वीडन की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा है कि स्टॉकहोम में इलाज कराने आए एक व्यक्ति में क्लेड 1 वैरिएंट के कारण एमपॉक्स होने का खुलासा हुआ है।

इससे पहले अफ्रीकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी ने कहा था कि इस साल एमपॉक्स वायरस ने 13 देशों में दस्तक दी है। सभी मामलों और मौतों का 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कांगो में है। यह बीते वर्ष की इसी अवधि की

तुलना में 160 प्रतिशत अधिक है, और मौतों की संख्या 19 प्रतिशत बढ़ी है। यहां के 26 प्रांत इसकी चपेट में हैं। इसके बाद, बुरुंडी का नाम सामने आया है, जहां पिछले हफ्ते में इस रोग की चपेट में आने वालों की संख्या में 70 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके बाद केन्या, रवांडा और युगांडा जैसे देशों में भी इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा है कि, एमपॉक्स के एक नए क्लेड का उभरना, पूर्वी डीआरसी में इसका तेजी से फैलना और कई पड़ोसी देशों में इसके फैलने की खबरें चिंताजनक हैं। डीआरसी और अफ्रीका के अन्य देशों में एमपॉक्स क्लेड के प्रकोप के अलावा, यह स्पष्ट है कि इन बढ़ते प्रकोपों को रोकने और जीवन बचाने के लिए एक समन्वित अंतर्राष्ट्रीय मुहिम की जरूरत है। अब यह रोग पाकिस्तान में भी घुसपैठ कर चुका है। अभी तक पाकिस्तान में तीन लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान एशिया का पहला देश है जहां एमपॉक्स वायरस ने दस्तक दी है। हालांकि हमारे देश में सरकार दावा कर रही है कि वह एमपॉक्स से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन दूसरे देशों से आने वाले लोगों से संक्रमण के खतरे को नकारा नहीं जा सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि अभी तक देश में ऐसा कोई रोगी नहीं मिला है, और सरकार इससे बचाव तथा इसके प्रसार को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभी एयरपोर्टों और बंदरगाहों के साथ सीमा रेखा पर संचालित सभी स्वास्थ्य यूनिटों को अलर्ट रहने और देश की 32 प्रयोगशालाओं को जांच के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं। हकीकत यह है कि कोरोना महामारी के खात्मे के तकरीबन ढाई साल बाद भी देश में संक्रामक बीमारियों से लड़ने की तैयारी अधूरी है।

हालांकि, मंकीपॉक्स के संक्रमण को देखते हुए अलर्ट घोषित कर दिया गया है और अस्पतालों में कोरोना काल की तरह आइसोलेशन वार्ड और बेड आरक्षित करने की पहल शुरू कर दी गई है। लेकिन कोरोना से सबक लेकर संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिए जो प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे, उन पर सही मायने में अमल नहीं हुआ है। दिल्ली में एम्स में 150 बेड के क्रिटिकल केयर और संक्रामक रोग केंद्र की परियोजना एक उदाहरण है, जो अधर में लटकी पड़ी है। अच्छी खबर यह है कि देश में अभी तक एमपॉक्स का कोई रोगी नहीं मिला है।

अंतरिक्ष में फजीता फिर भी डटी सुनीता

अरुण नैथानी

दुनिया भर के भारतीय एक बार फिर भारतवंशी बेटी सुनीता विलियम्स के लिये फिक्रमंद हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शोध-अनुसंधान के लिये गई सुनीता के लिए अपने एक सहयोगी के साथ निर्धारित समय पर लौट पाना मुश्किल हो रहा है। वे बोइंग के जिस अंतरिक्ष विमान स्टारलाइनर से गए थे, उसमें कई तरह की तकनीकी खामियां आ गई हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष संगठन नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की जान को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाह रहा है। दो बेहद अनुभवी व प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्रियों की बेशकीमती जिंदगियों का प्रश्न तो है ही, लेकिन मिशन की असफलता से सुपरपावर की साख को जो झटका लगेगा, उसकी बड़ी कीमत होगी। वह भी तब जब उसके नंबर वन के ओहदे को चुनौती देने वाला चीन अंतरिक्ष अभियान में नित नई सफलताएं हासिल करता ही जा रहा है। मगर भारतीयों के लिये अपनी बेटी की सुरक्षा की चिंता है। उसके दिल में भारत की एक होनहार बेटी कल्पना चावला को खोने के जख्म अभी तक हरे हैं। हरियाणा की इस लाडली को खोने का गम देश अभी तक नहीं भुला पाया है।

बहरहाल, अब अमेरिका से छनकर आ रही खबरें बताती हैं कि जो सुनीता विलियम्स आठ दिन के लिये अंतरिक्ष मिशन पर गयी थीं, उसे अब आठ महीने अंतरिक्ष में गुजारने होंगे। निस्संदेह, किसी व्यक्ति के अंतरिक्ष में इस तरह की अनिश्चितताओं में फंसना एक बड़ी चिंता का सबब होता है। लेकिन सुनीता बड़ी दिलेर अंतरिक्ष यात्री हैं। एक लड़ाकू हेलीकॉप्टर की चालक रही सुनीता की उपलब्धियों ने ही उसे अंतरिक्ष मिशन तक पहुंचाया है। यह उसका तीसरा अंतरिक्ष मिशन है। पूरी दुनिया ने उस वीडियो क्लिप को देखा था, जिसमें वह स्टारलाइनर अंतरिक्ष विमान से निकलकर बहुत ही गर्मजोशी से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने सहयोगियों से मिली थीं। नये उत्साह व उमंग के साथ। निश्चित रूप से अंतरिक्ष यात्री कड़े प्रशिक्षण व मजबूत मानसिक तैयारी के बाद ही अंतरिक्ष मिशन में जुड़ते हैं। यूं तो जोखिम सड़क पर पैदल चलने वाले व्यक्ति के जीवन में भी कम नहीं होते हैं, लेकिन अंतरिक्ष यात्री के जीवन के जोखिम हर पल नजर आते हैं।

दरअसल, बोइंग का स्टारलाइनर अंतरिक्ष विमान जब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के करीब पहुंचा तो उसमें बड़ी तकनीकी खामियां आ गई थी। उसके वे पांच थ्रस्टर्श बंद हो गए थे, जो यान की दिशा निर्धारित करते हैं। कालांतर में उसकी हीलियम गैस भी खत्म हो गई। फलत: उसे वैकल्पिक ईंधन पर निर्भर होना पड़ा। नासा ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने वाली व्यावसायिक उड़ानों के लिये बोइंग व स्पेस एक्स के साथ अरबों डॉलर के करार किये हैं। अब तक नौ मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों को अंजाम देने वाले स्पेस एक्स को सुनीता विलियम्स व बैरी बुच विल्मोर को वापस धरती पर लाने का जिम्मा सौंपा गया है। नासा ने अंतरिक्ष अभियान के तमाम जोखिमों का अध्ययन करने के बाद यह फैसला लिया है।

बहरहाल, नासा ने फैसला किया है कि सुनीता व विल्मोर को फरवरी, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में ही रहना पड़ेगा। इसके बाद वे स्पेस-एक्स क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लौट सकेंगे। जिसमें दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे और वापसी में सुनीता और विल्मोर उससे लौटेंगे। इन परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए 58 वर्षीय सुनीता के हौसले बुलंद हैं। अगले छह माह तक का उनका कार्यक्रम निर्धारित हो गया है। इस बीच वह स्टेशन पर वैज्ञानिक कार्यों के अलावा यान की मरम्मत तथा स्पेस वॉक भी करेंगी। इस घटनाक्रम से बोइंग के अभियान को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि शुरुआती दौर में हीलियम रिसाव के संकेत मिले थे। विगत में भी बोइंग के कई अंतरिक्ष मिशनों का प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं रहा है। लेकिन वहीं दूसरी ओर बोइंग की प्रतिद्वंद्वी एलन मस्क की स्पेसएक्स ने पिछले कुछ वर्षों में खासी उपलब्धियां हासिल की हैं। चार साल पहले ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचा चुका है और अंतरिक्ष यात्रियों व सामान को ले जाने व लाने का काम करता रहा है। सुनीता विलियम्स पिछले दो माह से धरती के ऊपर अंतरिक्ष में तैर रही हैं। एक प्रायोगिक अभियान के तहत वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन गई थीं। लेकिन अब जब उनको अगले छह माह अंतरिक्ष में रहना पड़ेगा, तो कहा जा रहा है कि सुनीता क्रिसमस व नया साल भी अतंरिक्ष में ही मनाएंगी।

उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यह तीसरी यात्रा है। वह एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं जो नौसेना हैलीकॉप्टर पायलट की भूमिका निभाने के बाद नासा के अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी हैं। हाल ही में उन्होंने उत्साहपूर्वक कहा था कि वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अपने दायित्वों के निर्वहन में खासी व्यस्त हैं। वे अतंरिक्ष स्टेशन में गुरुत्वाकर्षण मुक्त परिवेश में तैरना अच्छा महसूस करती हैं। इसे वे अपने अंतरिक्ष के घर में वापसी मानती हैं। टीम के साथ शोध-अनुसंधान करने का यह अनुभव सुखद है। निश्चित रूप से हर अंतरिक्ष यात्री अपने मिशन में उत्पन्न होनी वाली चुनौती और विकट स्थितियों के लिये मानसिक व शारीरिक रूप से तैयार ही होता है। लेकिन भारहीनता की स्थिति, बाधित नींद, आंखों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव, समाज से कटकर नितांत एकांत व भावनाशून्य स्थितियां संवेदनशील मनुष्य को अखरती तो हैं ही। वहीं मांसपेशियों का वजन कम होने से कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें भी आती हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुनीता सकुशल घर लौटे।

पपीता

पपीता गर्मियों का एक ऐसा फल है जिसे अगर सुबह-शाम खाया जाए, तो यह मल त्याग को बढ़ा सकता है। यह स्वादिष्ट फल आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें पपेन नामक पाचक एंजाइम होता है, जो कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। पपीता आपकी पाचन क्रिया को ठीक रखता है। आप इसका सेवन हर दिन कर सकती हैं। पपीता मुख्य रूप से अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में उगाया जाता है। पपीता भारत में मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, ओड़िसा और मध्य प्रदेश में उगाया जाता है।

कीवी

कीवी एक हाई फाइबर वाला फ्रूट है। एक कीवी में 2 ग्राम से अधिक फाइबर पाया जाता है जोकि आपकी रोजाना की फाइबर की जरूरत का लगभग 8 प्रतिशत है। यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में 2018 की समीक्षा से पता चलता है कि कीवी पेट की परेशानी को कम कर सकता है और कब्ज को रोक सकता है। कीवी में प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर में वसा की मात्रा को बढ़ने नहीं देता है। इसकी मदद से शरीर का वज़न नहीं बढ़ता। जो लोग बढ़ते वज़न से परेशान हैं, उनको कीवी रोजाना खानी चाहिए।

इन फलों में होता है भरपूर मात्रा में फाइबर

आंतों में नहीं रहेगी गंदगी

कब्ज वैसे तो आम समस्या है लेकिन इसे नजरअंदाज करने से बवासीर की समस्या भी हो सकती है, इससे राहत पाने के लिए नीचे बताए फलों का सेवन करें। गर्मी के दिनों तापमान बढ़ने और पसीना बहने की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे आपको कब्ज की समस्या हो सकती है। गर्मियों में भूख भी कम लगती है और यही वजह है कि इन दिनों अधिकतर लोग कब्ज के अलावा सूजन, एसिडिटी, सीने में जलन और अपच जैसी समस्याओं से पीड़ित रहते हैं। कब्ज होने पर मल त्याग मुश्किल हो जाता है और मल बहुत कठोर हो जाता है। इससे आपको सूजन, पेट में दर्द, ऐंठन, मतली या उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। कब्ज का क्या इलाज है? गर्मियों में कब्ज से राहत पाने के लिए आपको खूब सारा पानी पीना चाहिए। बेशक इन दिनों भूख कम लगती है लेकिन आपको अपना भोजन नहीं छोड़ना चाहिए। कई फल हैं जिनमें फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है और इनके सेवन से आपको कब्ज से राहत मिल सकती है।

काली किशमिश और आलूबुखारा

कब्ज की समस्या से बचने के लिए आपको काली किशमिश या सूखा आलूबुखारा का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन्हें रातभर पानी में भिगोकर रखने और सुबह खाली पेट खाने से पुरानी से पुरानी कब्ज से राहत मिल सकती है। इसके अलावा काली किशमिश का सेवन शरीर से एनिमिया और हीमोग्लोबिन जैसे समस्याओं को कुछ हद तक कम करने में लाभकारी माना जाता है। क्योंकि काली किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है जिससे शरीर में खून की कमी को दूर करने में सहायता मिल सकती है। महिलाओं के लिए किशमिश का सेवन बहुत उपयोगी माना गया है।

संतरे

रसदार और मीठे संतरे कब्ज को दूर रखने का सबसे बढ़िया उपाय है। संतरे में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है और इसके अलावा इसमें विटामिन सी भी होता है जो आपको भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट देता है। संतरे वैसे तो खट्टा होता है पर यह काफी अधिक स्वादिष्ट भी होता है इसके उपर एक कवर होता है और उसके बाद उसको छिलकर इसको खाया जाता है इसके बारे मे आपको पता होना चाहिए। वैसे आपको बतादें कि संतरे के अंदर कई सारे पोषक तत्व पाये जाते हैं।

सेब

कब्ज से बचने के लिए आपको रोजाना सेब खाना चाहिए। सेब खाने से पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। होपकिंस मेडिसिन की एक रिपोर्ट सेब में पेक्टिन होता है जो एक घुलनशील फाइबर है जो कब्ज से राहत दिलाने के लिए जाना जाता है। सेब को छिलके सहित खाना चाहिए क्योंकि इसमें भी फाइबर होते हैं। जब भी आपका इम्यून सिस्टम खराब हो और आपको अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना हो तो सेब का सेवन शुरू कर दे। सेब में ऐसे तत्व होते है जो रोग - प्रतिरोधक क्षमता को हमारे शरीर में बढ़ावा देते है जिससे हमें रोगों से लड़ने में काफी मदद मिलती है।

हंसना मना है

दो शेर जंगल में बैठे थे, पास से एक खरगोश गुजरा, आहट सुनकर एक शेर ने दूसरे से पूछा-क्या है? कुछ नहीं, फास्ट फूड है!

रमेश पैराशूट बेच रहा था, हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो रमेश- तो पैसे वापिस?

गांव की एक लड़की से कंप्यूटर क्लास में पूछा गया- डाटा क्या होता है? लड़की बोली so simple.. तेल की शीशी के ढक्कण को डाटा कहते हैं?

टेलीफोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।'उन सज्जन ने स्पष्ट किया-'मुझे बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

पचास वर्षीय-पति-'आज सवेरे शेव करने के पश्चात् मैं महसूस कर रहा था कि मेरी उम के दस साल कम हो गए।' पत्नी-'क्या कहते हो! अगर इस स्पीड से प्रतिदिन आयु कम होती चली गई, तो एक हफ्ते में आप गायब ही हो जाओगे।'

कहानी | ज्ञान का सार्थक प्रयोग

एक ब्राह्मण के चार पुत्र थे। उनमें परस्पर गहरी मित्रता थी। चारों में से तीन शास्त्रों में पारंगत थे, लेकिन उनमें बुद्धि का अभाव था। चौथे ने शास्त्रों का अध्ययन तो नहीं किया था, लेकिन वह था बड़ा बुद्धिमान। एक बार चारों भाइयों ने परदेश जाकर अपनी-अपनी विद्या के प्रभाव से धन अर्जित करने का विचार किया। चारों पूर्व के देश की ओर चल पड़े। रास्ते में सबसे बड़े भाई ने कहा - हमारा चौथा भाई तो निरा अनपढ़ है। राजा सदा विद्वान व्यक्ति का ही सत्कार करते हैं। केवल बुद्धि से तो कुछ मिलता नहीं। विद्या के बल पर हम जो धन कमाएंगे, उसमें से इसे कुछ नहीं देंगे। अच्छा तो यही है कि यह घर वापस चला जाए। दूसरे भाई का विचार भी यही था। किंतु तीसरे भाई ने उनका विरोध किया। वह बोला - हम बचपन से एक साथ रहे हैं, इसलिए इसको अकेले छोड़ना उचित नहीं है। हम अपनी कमाई का थोड़ा-थोड़ा हिस्सा इसे भी दे दिया करेंगे। अतः चौथा भाई भी उनके साथ लगा रहा। रास्ते में एक घना जंगल पड़ा। वहां एक जगह हड्डियों का पंजर था। उसे देखकर उन्होंने अपनी-अपनी विद्या की परीक्षा लेने का निश्चय किया। उनमें से एक ने हड्डियों को सही ढंग से एक स्थान पर एकत्रित कर दिया। वास्तव में ये हड्डियां एक मरे हुए शेर की थीं। दूसरे ने बड़े कौशल से हड्डियों के पंजर पर मांस एवं खाल का अवरण चढ़ा दिया। उनमें उसमें रक्त का संचार भी कर दिया। तीसरा उसमें प्राण डालकर उसे जीवित करने ही वाला था कि चौथे भाई ने उसको रोकते हुए कहा, 'तुमने अपनी विद्या से यदि इसे जीवित कर दिया तो यह हम सभी को जान से मार देगा।' तीसरे भाई ने कहा - तू तो मूर्ख है! मैं अपनी विद्या का प्रयोग अवश्य करुंगा और उसका फल भी देखूंगा।' चौथे भाई ने कहा, 'तो फिर थोड़ी देर रुको। मैं इस पेड़ पर चढ़ जाऊं, तब तुम अपनी विद्या का चमत्कार दिखाना।' यह कहकर चौथा भाई पेड़ पर चढ़ गया। तीसरे भाई ने अपनी विद्या के बल पर जैसे ही शेर में प्राणों का संचार किया, शेर तड़पकर उठा और उन पर टूट पड़ा। उसने पलक झपकते ही तीनों अभिमानी विद्वानों को मार डाला और गरजता हुआ चला गया। उसके दूर चले जाने पर चौथा भाई पेड़ से उतरकर रोता हुआ घर लौट आया। इसीलिए कहा गया है कि विद्या से बुद्धि श्रेष्ठ होती है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज व्यापारिक योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। निवेश में जल्दबाजी न करें। प्रमाद न करें।

धनु कारोबार में वृद्धि होगी। अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। विवेक का प्रयोग करें।

मकर नौकरी पेशा को आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आज धन संबंधी जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ धनलाभ के अवसर आज हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन व्यापार में आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भूमि-भवन की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। मकान-दुकान से आय होने से बेरोजगारी दूर होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हमें नेपोटिज्म के बहस में नहीं पड़ना चाहिए : कृतिका

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने विचार जाहिर किए। एक्ट्रेस ने कहा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। मुझे लगता है कि इसकी बहस में पड़ना सही नहीं है, क्योंकि आखिर में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं। कृतिका कामरा ने आगे कहा, 'मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे सालों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं।' एक्ट्रेस को हाल में थ्रिलर सीरीज 'ग्यारह ग्यारह' में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो 'सिग्नल' का एडेप्टेशन है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं। वे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की 'मटका किंग' में दिखाई देंगी। 'मटका किंग' मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है। सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने 'कितनी मोहब्बत है' शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद उन्हें 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्टर्स' और 'प्रेम या पहेली चंद्रकांता' जैसे शो में देखा गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' में भी भाग लिया है और 'तांडव' और 'बंबई मेरी जान' जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 साल की अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई 'मित्रों' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ 'फॉर योर आईज ओनली' में भी नजर आएंगी।

बलात्कार के बढ़ते मामलों पर बोलीं शबाना आजमी, कहा-

पितृसत्ता को खत्म करने की जरूरत

शबाना आज़मी ने हाल ही में कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या पर अपनी गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि निर्भया मामले के बाद 2012 में जस्टिस वर्मा समिति के गठन के बावजूद बलात्कार के मामलों में कमी नहीं आई है। शबाना ने कहा, ऐसी घटनाएँ बेहद ख़तरनाक हैं। पुणे में एक कार्यक्रम में 73 वर्षीय शबाना ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, यह देखना शर्मनाक है कि निर्भया मामले के दौरान 2012 में जस्टिस वर्मा समिति के गठन के बावजूद इस तरह के जघन्य कृत्य कम नहीं हुए हैं। शबाना ने आगे कहा, हमें महिलाओं को वस्तु की तरह नहीं समझना चाहिए... हमें पितृसत्ता को खत्म करने की जरूरत है जो हमारे अंदर गहराई से जड़ जमा चुकी है। बुधवार, 28 अगस्त को सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी देश में बलात्कार के मामलों में वृद्धि पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह भयभीत हैं और उन्होंने उन लोगों को दृढ़ता से खारिज कर दिया जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान मानते हैं। मुर्मू ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, जो लोग इस तरह के विचार साझा करते हैं, वे आगे बढ़कर महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखते हैं... हम अपनी बेटियों के प्रति यह दायित्व रखते हैं कि वे भय से मुक्ति पाने के उनके मार्ग से बाधाएं दूर करें। देश का आक्रोशित होना तय है, और मैं भी। कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जबकि अपराधी अन्य जगहों पर घूम रहे थे। पीड़ितों में किंडरगार्टन की लड़कियाँ भी शामिल हैं। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 9 अगस्त को आरजी कर अस्पताल में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। इस अपराध के कारण पूरे कोलकाता में लोगों में आक्रोश फैल गया और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और मौत की सजा की मांग की गई।

स्त्री 2 के बाद राजकुमार ने उठाई बंदूक

राजकुमार राव ने अपनी साल 2018 में आई फिल्म स्त्री से फैंस को दीवाना बना दिया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। वहीं 6 साल बाद हाल ही रिलीज हुई स्त्री के सीक्वल स्त्री 2 ने तो बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचा दी।

स्त्री 2 सिनेमाघरों में ताबड़तोड़ प्रदर्शन करते हुए ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी है। इन दिनों राजकुमार राव इस फिल्म की सक्सेस को एन्जॉय कर रहे हैं। इसी बीच अब एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर एक बड़ा ऐलान कर दिया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपनी नई फिल्म की जानकारी दी है।

राजकुमार राव ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्टर शेयर किया है जो कि उनकी नई फिल्म का है। स्त्री-2 के जरिए दर्शकों को कॉमेडी का डोज देने वाले राजकुमार अब एक्शन अवतार में नजर आएंगे। उन्होंने अपनी नई फिल्म का जो पोस्टर शेयर किया है उसमें वे गाड़ी के ऊपर खड़े हुए हैं और उनके हाथ में बंदूक नजर आ रही है।

राजकुमार पोस्टर में सफेद पेंट-शर्ट में नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा हुआ है कि, पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं। वहीं राजकुमार ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है कि, बनेंगे क्या, बताएंगे कल। कल बड़ा ऐलान। स्टे ट्यून्ड! गौरतलब है कि 31 अगस्त को राजकुमार का बर्थडे था। वे कल 40 साल के हो गये हैं। एक्टर बर्थडे पर अपने फैंस को नई फिल्म का टाइटल रिवील करके खास तोहफा दे दिया है।

फैंस अब ये जानने के लिए एक्साइटेड है कि आखिर राजकुमार अब किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट की बागडोर डायरेक्टर पुलित संभालेंगे। राजकुमार ने पोस्ट में उन्हें भी टैग किया है। राजकुमार की नई फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद नेटिजंस भी जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि, रुकिए, राजकुमार राव एक्शन में हैं? एक ने लिखा कि, भैया बरेली की बर्फी का सीन याद दिला दिया आपने तो। एक अन्य यूजर ने लिखा कि, राजकुमार सर इज फायर। एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने कमेंट किया कि। मेसिव।

अजब-गजब | यहां से पाकिस्तान के लिए चलती हैं ट्रेनें

इस रेलवे स्टेशन में जाने के लिए भारतीयों को भी होती है वीजा और पासपोर्ट की जरूरत

भारत में सैकड़ों रेलवे स्टेशन हैं। भारतीयों को अगर उन स्टेशनों पर जाना है तो ट्रेनों से वो बड़े आराम से देश के किसी भी कोने में स्थित रेलवे स्टेशन जा सकते हैं। स्टेशन के अंदर प्रवेश करने किए उनके पास या तो यात्रा करने वाला ट्रेन टिकट हो, या फिर प्लेटफॉर्म टिकट हो। पर क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा भी रेलवे स्टेशन है, जहां जाने के लिए भारतीयों को सिर्फ प्लेटफॉर्म टिकट नहीं, बल्कि वीजा-पासपोर्ट की भी जरूरत पड़ती है क्या आप इस जगह के बारे में जानते हैं?

इंस्टाग्राम अकाउंट @hunnybunnychallenge पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें शख्स दो लड़कियों से एक अहम सवाल पूछता दिख रहा है। वो किसी मेले जैसी जगह पर है, जहां उसे दो लड़कियां मिलती हैं। फिर वो उनसे पूछता है- भारत का ऐसा कौन सा रेलवे स्टेशन है, जहां जाने के लिए वीजा और पासपोर्ट जरूरी होता है? सवाल सुनकर लड़कियों का दिमाग चकराने लगता है। उन्हें यकीन ही नहीं होता कि सवाल सही है। उन्हें लगता है कि शख्स उनसे मजाक कर रहा है, तो वो जवाब में बोलती हैं कि ऐसा कोई स्टेशन नहीं है। पर लड़का कहता है कि ऐसा स्टेशन वाकई है।

तो चलिए आपको इसकी सच्चाई बताते हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के अनुसार अमृतसर में अटारी रेलवे स्टेशन को अटारी श्याम सिंह रेलवे स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है। इस रेलवे स्टेशन में जाने के लिए भारतीयों को भी वीजा और पासपोर्ट की जरूरत होती है। वो इसलिए क्योंकि यहां से पाकिस्तान के लिए ट्रेन जाती है और अटारी बॉर्डर से पाकिस्तान के लिए यात्रा की जाती है। आपको बता दें कि उत्तरी रेलवे में आने वाले फिरोजपुर डिवीजन के अंतर्गत अटारी स्टेशन आता है।

यहां जाने के लिए पाकिस्तानी वीजा की जरूरत होती है। स्टेशन की सिक्योरिटी के लिए आर्मी जिम्मेदार है और यहां पर यात्रियों को कई स्तर की जांच से होकर गुजरना पड़ता है। अमृतसर-लाहौर लाइन पर अटारी, भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए इस वीडियो को 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कुछ लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। कई लोगों ने सही जवाब दिया है। जबकि किसी ने तो जवाब में लिखा- 'भारत का एयरपोर्ट!' क्या आपको इसके बारे में जानकारी थी?

जब बेटी का बदला लेने के लिए जिंदा केकड़े को निगल गया शख्स

अगर बच्चों पर कोई मुसीबत या तकलीफ आए तो माता-पिता परेशान हो जाते हैं। बच्चों की सुरक्षा के लिए मां-बाप बड़ी से बड़ी मुसीबत से लड़ जाते हैं। लेकिन एक पिता ने गुस्से में ऐसा काम कर दिया कि बाद में उसकी ही हालत खराब हो गई। दरअसल, बेटी का बदला लेने के लिए एक बाप जिंदा केकेड़े को ही निगल गया। इसके बाद शख्स की हालत खराब हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी चाइना के झेजियांग में रहने वाले एक शख ने जिसका नाम लू था उसने बेटी को काटने वाले केकड़े से बदला लेने के लिए उसने ऐसा किया था। रिपोर्ट के अनुसार, लू की बेटी को एक केकड़े ने काट लिया था। ऐसे में लू गुस्सा हो गया और उसने बदला लेने के लिए उस केकड़े को उठाया और जीवित ही निगल गया। जिंदा केकड़ा खाने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गया। घटना के दो महीने बाद लू गंभीर पीठ दर्द के साथ अस्पताल में भर्ती हुआ। जिसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की और इलाज शुरू किया। केकड़ा खाने के दो महीने बाद जब लू की हालत खराब हुई तो वह अस्पताल गया। वहां जांच में पता चला कि लू का सीना, पेट, लीवर और पाचन तंत्र बुरी तरह से प्रभावित हो गए थे। हालांकि डॉक्टरों को यह पता नहीं चल पा रहा था कि ऐसा किस वजह से हुआ। शख्स का इलाज करने वाले डॉक्टर ने कहा हमने उनसे बार-बार पूछा कि क्या उन्होंने क्या कभी कुछ असामान्य खाया है या ऐसा कुछ खाया जिससे एलर्जी हो सकती है लेकिन उसने सच्चाई नहीं बताई डॉक्टरों से छिपाता रहा। हालांकि बहुत पूछने पर शख्स की पत्नी ने डॉक्टरों को केकड़ा खाने की घटना के बारे में बताया। इसके बाद उस शख्स ने भी कबूल कर लिया। डॉक्टर ने बताया कि जब लू से उन्होंने पूछा कि उसने एक जीवित केकड़ा क्यों खाया। तो उसने कहा कि वह अपनी बेटी का बदला लेना चाहता था। डॉक्टरों ने उसके ब्लड सैंपल टेस्ट के लिए भेजे, और यह पता चला कि लू कच्चा केकड़े खाने से कम से कम तीन परजीवियों से संक्रमित हो गए थे। हालांकि काफी इलाज के बाद वह शख्स ठीक हो गया और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बता दें कि चीन में केकड़ा खाना आम बात है लेकिन ज्यादातर लोग पका हुआ केकड़ा ही खाते हैं। वहीं पूर्वी चीन में कच्चा भी परोसा जाता है।

मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर मूकदर्शक बनी सरकार : राहुल

» बोले- भारत जोड़ने की लड़ाई को हर हाल में जीतेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुसलमानों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर भाजपा सरकार पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया और ऐसी घटनाओं में शामिल अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। भाजपा शासित हरियाणा और महाराष्ट्र में भीड़ द्वारा की गई हिंसा की दो घटनाओं के मद्देनजर उन्होंने यह टिप्पणी की। हरियाणा के चरखी दादरी में, 27 अगस्त को कथित तौर पर गोरक्षकों ने पश्चिम बंगाल से आए एक मुस्लिम प्रवासी की पीटकर हत्या कर दी थी।

उस पर यह संदेह जताते हुए हमला किया गया कि उसने बीफ खाया था। हमले में एक व्यक्ति घायल भी हुआ था। महाराष्ट्र में, ट्रेन में एक बुजुर्ग व्यक्ति के पास बीफ होने के संदेह में उसके साथ बदसलूकी और पिटाई की गई। वह कल्याण जा रहा था। राहुल ने पोस्ट में कहा कि ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर कानून का इकबाल कायम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत की सांप्रदायिक एकता और भारतवासियों के अधिकारों पर किसी भी तरह का हमला संविधान पर हमला है, जो हम बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले – नफरत के खिलाफ भारत जोड़ने की इस ऐतिहासिक लड़ाई को हम हर हाल में जीतेंगे। दोनों घटनाओं की स्क्रीनशॉट (तस्वीरें) साझा करते हुए, राहुल ने कहा कि नफरत को राजनीतिक हथियार बनाकर सत्ता की सीढ़ी चढ़ने वाले लोग देशभर में लगातार भय का राज स्थापित कर रहे हैं। घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भीड़ की शक्ल में छिपे नफरती तत्व कानून के राज को चुनौती देते हुए खुलेआम हिंसा फैला रहे हैं। भाजपा सरकार से इन उपद्रवियों को खुली छूट मिली हुई है, इसलिए उनमें ऐसा कर पाने का साहस पैदा हो गया है।

दोनों घटनाओं की तस्वीरें की साझा

फर्जी खबरों से निपटने पर ध्यान केंद्रित करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस वकीलो की सहायता से त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित करने पर विचार कर रही है, जिसका विशेष ध्यान ऑनलाइन फर्जी खबरो और गलत सूचनाओ की समस्या से निपटने पर होगा। अभिषेक सिंघवी की अध्यक्षता मे कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय मे बैठक हुई और फर्जी खबरो की समस्या पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया।बैठक के बाद सिंघवी ने कहा, हम उत्साहित है और हमारी बैठक बहुत ही उपयोगी और व्यापक रही। पिछले पांच वर्षो मे निर्वाचन आयोग (ईसी) से संबंधित और गैर संबंधित दोनो तरह की कई शिकायतो का निपटारा किया गया है। हम विशेष रूप से सोशल मीडिया मे विभाग की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना चाहते है, जहां फर्जी खबरे बहुत अधिक होती है। उन्होने कहा, हम त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाने जा रहे है। हम कई अन्य संगठित संरचनात्मक सुधारो की बात कर रहे है। जिला स्तर तक विकेन्द्रीकरण एक बहुत बड़ा लक्ष्य है। सिंघवी ने कहा कि विभाग आगामी विधानसभा चुनावो से संबंधित मुद्दो पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

राजनीति में नाबालिग हैं कंगना : सत्यपाल मलिक

» पूर्व गवर्नर बोले- भाजपा पार्टी से निकाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल (हरियाणा)। हरियाणा के करनाल में शिरोमणि पंथ अकाली दल की ओर से माता साहब शहीद जंग सिंह गुरुद्वारा सभागार में सिख सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जम्मू व कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंगना रणौत राजनीति में नाबालिग है उसे भाजपा को पार्टी से निकाल देना चाहिए। सत्यपाल मलिक ने कहा कि कंगना के बयान अक्सर लोगों के खिलाफ होते हैं, बयानों के लिए माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता जगदीश सिंह झींडा ने की। इस दौरान हरियाणा के गुरुद्वारों को सरकार के कब्जे से मुक्त करवाने का आह्वान किया गया।

वहीं सरकार से मांग की गई कि परीक्षाओं में सिखों के धार्मिक चिह्नों को धारण करने से अभ्यर्थियों को नहीं रोका जाए। यदि सरकार उनकी मांग पर विचार कर एक नवंबर तक एचएसजीपीसी के चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं करती है तो 21 नवंबर को प्रदेश भर की सिख संगत कुरुक्षेत्र उपायुक्त कार्यालय का घेराव करेगी। उसके बाद बेमियादी धरना दिया जाएगा। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि जो सरकार उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करेगी वह उस सरकार का बहिष्कार करेंगे। इस दौरान कई प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें कहा गया कि प्रदेश में जो भी प्रत्याशी भाजपा उम्मीदवार को हराने में सक्षम होगा सिख संगत उसका समर्थन करेगी। कंगना रणौत की फिल्म इमरजेंसी पर पाबंदी लगाई जाए। श्री अकाल तख्त के प्रमुख जत्थेदार से करनाल में आठ सितंबर को होने वाले सिख सम्मेलन पर रोक लगाने की मांग की गई।

मूर्ति निर्माण के लिए अनुभवहीन मूर्तिकार को चुनना गलत फैसला था : आठवले

» बोले- शिवाजी की मूर्ति की जिम्मेदारी नौसिखिए को देना अक्षम्य अपराध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री और राजग के सहयोगी रामदास आठवले ने कहा कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण का काम एक अनुभवहीन मूर्तिकार को सौंपना गलत फैसला था। उन्होंने यह बात तटीय सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में बनी शिवाजी की प्रतिमा के गिरने की घटना के कुछ दिनों बाद कही है। मालवण तालुका में किले का दौरा करने के बाद केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने घटना की विस्तृत जांच की मांग की।

आठवले ने कहा कि अनुभवी मूर्तिकारों की कोई कमी नहीं है, फिर एक नौसिखिए को जिम्मेदारी क्यों दी गई? इस घटना को अक्षम्य बताते हुए उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग और नौसेना के संबंधित अधिकारियों की भी जांच होनी चाहिए। मुंबई से करीब 480 किलोमीटर दूर मालवण तहसील के राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा 26 अगस्त को ढह गई थी। इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर किया था।

बेदाग निकले वरिष्ठ पत्रकार व भड़ास के संपादक यशवंत सिंह

मोबाइल की एफएसएल जांच की रिपोर्ट आने से खुली पुलिस की कलई

» दिल्ली पुलिस ने किया था गलत मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार व भड़ास के संपादक यशवंत सिंह के खिलाफ दर्ज मामले में एफएसएल जाँच रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट के आने से दिल्ली पुलिस की कलई खुल गई है। दरअसल दिल्ली में वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ कुछ दिनों पहले दर्ज मुक़दमे में मोबाइल फ़ोन की सिग्नल मैसेंजर एप से रंगदारी /ब्लैकमेलिंग के कई पेज पुलिस को सुबूत के बतौर दिये गये थे।

इनको उनके द्वारा भेजे गये चैट बताए गए थे। बाद में इसकी जांच के लिए इसे एफएसएल भेजा गया था। अब जो रिपोर्ट आई उसमे सिग्नल एप से कोई चैट ही नहीं मिला, क्योंकि सिग्नल एप इंस्टाल ही नहीं किया गया था। उधर इस रिपोर्ट के बाद वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि सोचिए कितनी मेहनत की गई। सिग्नल एप पर मेरा फ़र्ज़ी प्रोफाइल बनाया गया। फिर उससे चैट का आदान प्रदान किया गया। फिर उसका प्रिंट निकाल कर पुलिस को दिया गया। उन्होंने कहा सैकड़ो से ज़्यादा मुक़दमे, लीगल नोटिस, आरोप झेल चुका/रहा! अब तो आदत-सी हो गई है।

गिर गया है दिल्ली पुलिस का स्तर : यशवंत

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में आजकल बीच का रास्ता नहीं होता। या तो बिक जाओ, या जेल जाओ। दिल्ली पुलिस की इज्जत कभी इतनी लो नहीं थी। कोई भी खुद को शाह का ख़ास आदमी बताते हुए किसी के भी खिलाफ फर्ज़ी मुक़दमा लिखा सकता है।

सरकार बदलने तक शांत नहीं बैठेंगे : पवार

» शिवाजी की प्रतिमा के गिरने की घटना पर शिंदे सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि विपक्ष महाराष्ट्र में अगले दो महीनों में 'महायुति' सरकार को सत्ता से हटाने और छत्रपति शिवाजी के आदर्शों पर नयी सरकार बनने तक शांत नहीं बैठेगा। मुंबई के घाटकोपर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग जिले में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के गिरने की घटना को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ता में बैठे लोगों की शिवाजी महाराज में कोई 'आस्था' नहीं है। सत्तारूढ़ महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। पवार ने कहा, ''मैं आपको (कार्यकर्ताओं को) आश्वासन देता हूं कि यदि आप अपनी एकता दिखाते हैं, तो हम तब तक चुप नहीं बैठेंगे, जब तक कि अगले दो महीनों में महाराष्ट्र में सरकार नहीं बदल जाती और शिवाजी महाराज के आदर्शों पर लोगों के हितों की रक्षा करने वाली एक नयी सरकार नहीं बन जाती। मालवण तहसील के राजकोट किले में स्थापित शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर राज्य में विवाद हो गया है। विपक्ष ने भाजपा नीत महायुति पर 'भ्रष्टाचार' और शिवाजी के 'अपमान' का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार कहती है कि नयी प्रतिमा बनाई जाएगी, लेकिन जो नुकसान हुआ है उसका क्या होगा। राकांपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रतिमा के निर्माण के दौरान ''गलत और भ्रष्ट निर्णय'' लिए गए। इससे पहले दिन में, पवार, शिवाजी की प्रतिमा गिरने की घटना को लेकर विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) द्वारा दक्षिण मुंबई में हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक निकाले गए विरोध मार्च में शामिल हुए।

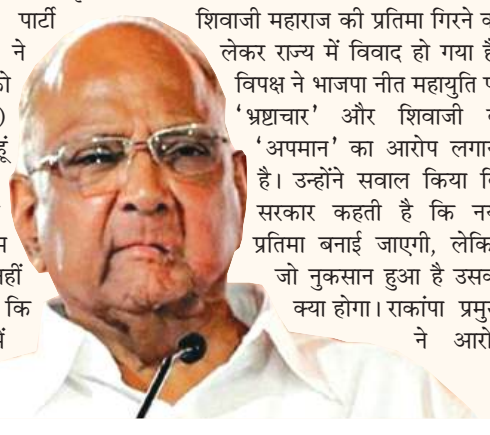

शिवाजी का इस सरकार में बहुत अपमान हुआ

मालवण की घटना को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य के अन्य नेताओं के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी माफी मांगी है। पवार ने कहा, लेकिन मूर्ति कैसे गिर सकती है? इसका मतलब है कि मूर्ति की गुणवत्ता खराब थी। शिवाजी का इस सरकार में जिस तरह अपमान हुआ, वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

शिक्षक अभ्यर्थियों ने किया डिप्टी सीएम केशव के आवास का घेराव, एक भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी सोमवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव करने जा रहे थे कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों की अभ्यर्थियों से झड़प भी हुई जिस पर पुलिस ने बलप्रयोग कर उन्हें आगे जाने से रोक लिया। कुछ देर के लिए वहां अफरातफरी मची रही। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी को हार्टअटैक पड़ गया जिसको ईलाज के लिए निजी अस्पताल भेज दिया गया है।

फोटो: सुमित कुमार

योगी सरकार की पुलिस का काला चेहरा उजागर

चौकी में भी पीड़िता संग पुलिस ने की अभद्रता , 10 घंटे बैठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। एकबार फिर योगी सरकार की पुलिस का काला चेहरा उजागर हो गया है। महिला सुरक्षा की बड़ी-बड़ी डींगे मारने वाली बीजेपी सरकार में पुलिस कितनी संवेदनहीन है बाराबंकी जनपद के मसौली क्षेत्र से आई खबर ने बता दिया है। दरअसल वहां की एक किशोरी का अपहरण कर कथित रूप से चार दिन तक उसके साथ दुष्कर्म करने की घटना में पुलिस ने जो केस दर्ज किया, वह उस शिकायती पत्र के आधार पर नहीं दर्ज हुआ जो एसपी को दिया गया था बल्कि पुलिस द्वारा बनवाई गई तहरीर पर दर्ज हुआ।

एसपी दिनेश कुमार सिंह ने हर बिंदु की जांच के सख्त निर्देश दिए हैं। एसपी के नाम वाले शिकायती पत्र में अपहरण से लेकर लखनऊ, कानपुर व गाजियाबाद तक किशोरी को ले जाने व जिस कमरे में रखा गया उसे आरोपी द्वारा अपने भाई का कमरा बताने का जिक्र है। शिकायती पत्र में किशोरी को दर्द की दवा देने का जिक्र भी

पुलिस पर अश्लील बातें कहने का आरोप

पुलिस चौकी पर पीड़िता को बैठाने से लेकर आरोपी के छह साथियों द्वारा अश्लील बातें कहने का आरोप है। मगर एफआईआर कॉपी में 22 अगस्त को अपहरण कर कमरे में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने व 25 अगस्त को गांव के बाहर छोड़ने की बात कही गई है। इस संबंध में केस दर्ज कराने वाले वादी ने बताया कि दरोगा जी ने इसी तहरीर को मान्य करने की बात कही थी। उसने बताया कि मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर जांच की मांग भी की।

आठ दिन बाद मुकदमा दर्ज आरोपी गिरफ्तार

22 अगस्त को किशोरी के लापता होने के बाद उसके मामा ने त्रिलोकपुर पुलिस चौकी में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने उसे खोजने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद मसौली पुलिस ने आनन-फानन अपने मन की दूसरी तहरीर बनाकर केस दर्ज कर लिया। एएसपी उत्तरी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि आरोपी युवक अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चुप रहने के लिए किशोरी के मामा को दिये 50 हजार रुपये

इतना ही नहीं मामला शांत करने के लिए किशोरी के मामा को ऑनलाइन 50 हजार रुपये का भुगतान भी करा दिया। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि लापरवाही पाए जाने पर इस मामले में चौकी इंचार्ज मनोज कुमार को सस्पेंड कर दिया गया जबकि एसएचओ मसौली अरुण प्रताप सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। जांच एएसपी को सौंपी गई है।

किशोरी के विरोध पर जुट गई भीड़

पुलिस चौकी में जब अंकित के छह दोस्त किशोरी से अश्लील बातें करने लगे तो उसने विरोध किया। इस पर वहां भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता, उसके नाबालिग भाई व मामा से चार पन्नों पर हस्ताक्षर बनवा लिए जिसमें आरोपी को बचाने की मनगढ़ंत कहानी लिखी। जबरन सुलह भी करा दी।

31 अगस्त को जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से की शिकायत

दुष्कर्म पीड़िता के मामा ने 31 अगस्त को जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री से गई शिकायत में बताया कि पुलिस ने एसपी के आदेश को दरकिनार कर मनमाने ढंग से मुकदमा दर्ज किया। नाबालिग पीड़िता को बिना किसी परिजन की मौजूदगी के 30 अगस्त से जबरन थाने में रोका गया है। पुलिस चौकी में आरोपी के छह दोस्तों द्वारा अभद्रता करने और सुलहनामे पर जबरन हस्ताक्षर करवाने की भी शिकायत की गई। यह भी कहा गया कि चौकी में आरोपी को बेदाग बताया गया।

बिहार में भाजपा नेता ने दिव्यांग से किया दुष्कर्म

गया। बिहार के गया जिले में हैवानियत हुई है। इसको अंजाम देने का आरोप भाजपा नेता पर लगा है। आरोप है कि शनिवार देर शाम भाजापा नेता नरेश राम तुरी ने दिमागी तौर पर कमजोर लड़की का दुष्कर्म किया है। इतना ही नहीं उसने हैवानियत के बाद फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामला तूल पकड़ने लगा तो पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया। अब यह मामला काफी चर्चा में है। इस सियासत भी शुरू हो गई है। विपक्ष के नेता भाजपा नेता पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यह पूरा मामला गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र की एक गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिन फतेहपुर थाना क्षेत्र में दिमागी तौर पर कमजोर लड़की के साथ भाजपा के पूर्व विधायक स्व. काली चरण के अधेड़ पुत्र ने बहला-फुसलाकर कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता के परिजनों ने महिला थाना में आरोपी पर एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता के परिजनों ने अपने लिखित शिकायत पत्र में बताया है कि मेरी बेटी दिमागी तौर पर कमजोर है। इसी का फायदा उठाकर भाजपा नेता ने लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। दुष्कर्म के दौरान आरोपी ने लड़की की अश्लील फोटो और वीडियो बना कर वायरल कर दिया है।

नगर निगम सदन में गूंजा सीवर सफाई का मुद्दा

सदन में सुनाई दिया 4PM पीएम द्वारा उठाया गया मुद्दा

सदन में 4पीएम द्वारा पंपिंग स्टेशन बंद पड़े को लेकर प्रमुखता से खबर छापी थी। इसी को लेकर पार्षद शफीकुर्रहमान बोले नगर आयुक्त से की 5 साल से जनता से झूठ बोल रहे है । पार्षद कामरान बेग ने बताया इस पंपिंग स्टेशन से 3 पार्षदों के वार्डो में समस्या बनी हुई है। नगर आयुक्त ने कहा 6महीने में पंपिंग स्टेशन चालू हो जायेगा, जिससे सीवर की समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगा। पर मामला अब भी जस का तस।

भाजपा व कांग्रेस के पार्षद आपस में भिड़े, भाजपाइयों ने सफाई निरीक्षक के व्यवहार पर किया हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम का सदन सोमवार को हंगामेदार रहा। कई सभासदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की सफाई, स्ट्रीट लाइट का मुद्दा उठाया। कांग्रेस के मुकेश सिंह चौहान ने सफाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने अपने क्षेत्र पटेल नगर के बारे में कहा कि यह इलाका कटोरी की तरह है। जहां जल निकासी की समस्या बहुत है। वहां पर स्ट्रीट लाइट भी नहीं लगी है। महिलाएं निकलने से डरती हैं।

वहीं सपा पार्षद शफीकुर्रहमान चचा ने सीवर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कैसरबाग ख्यालीगंज में 5 सालों से पंपिंग स्टेशन बन रहा है लेकिन अभी तक वो बनकर तैयार नहीं हो पाया है।

भाजपा पार्षद हैदरगंज द्वितीय धर्मेंद्र ने आलमनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदल कर बाबा बुद्धेश्वर के नाम पर रखने का रखा प्रस्ताव रखा। भाजपा पार्षद ने सुएज इंडिया कंपनी की कार्यशैली पर सवाल उठाया। आलमनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के प्रस्ताव पर भाजपा और कांग्रेस पार्षद आपस में भिड़ गए। वहीं जोन 7 में तैनात सफाई निरीक्षक सुनील वर्मा पर भाजपा पार्षदों ने लगाया दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। नगर आयुक्त ने जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाने का भरोसा दिया साथ ही महापौर ने सुनील वर्मा पर 24 घंटे में कार्यवाही का आश्वासन दिया।

फोटो: 4 पीएम

मांग हाथरस में हुई योगेश उपाध्याय की हत्या के विरोध में व हत्यारों की गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार की शासन द्वारा आर्थिक मदद व परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस प्रदान करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति ने पांच कालिदास मार्ग पर प्रदर्शन किया।

जम्मू में सुंजवां आर्मी कैंप पर फायरिंग एक जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू के सुंजवां आर्मी कैंप के पास सुरक्षा बलों ने एक बड़ा एंटी-टेरर ऑपरेशन शुरू किया है। संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सेना ने तुरंत कार्रवाई की और फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान इलाके की घेराबंदी की जा रही है और व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

फायरिंग की घटना में अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटनास्थल पर अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है और जांच के लिए उच्च स्तरीय दल घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं।

प्रशासन ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा बलों को दें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।